

## प्राप्य उद्देश्यों पर आधारित प्रश्नों का निर्माण (Framing of Objective Based Questions)

### उद्देश्य 1. ज्ञान (Knowledge)

छात्र को इस योग्य बनाना कि वह वैज्ञानिक तथ्यों, पदों, सम्बन्धों, प्रत्ययों, प्रविधियों एवं सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त कर सके।

#### व्यवहार : (Behaviours or Specifications) :

- A. वह पदों, तथ्यों आदि की पहचान कर सकता है।
- B. वह पदों, तथ्यों आदि को पुनः स्मरण कर सकता है।
- C. वह पदों, सिद्धान्तों आदि के उदाहरण दे सकता है।
- D. वह पदों, प्रत्ययों, सिद्धान्तों आदि की परिभाषा अपने शब्दों में दे सकता है।
- E. वह परिभाषाओं अथवा व्याख्याओं में त्रुटियों को ढूँढकर उनको दूर भी कर सकता है।
- F. वह दो वस्तुओं के अन्तर (discrimination) को स्पष्ट कर सकता है।
- G. वह संकेतों (Symbols) की व्याख्या तथा निरूपण (representation) कर सकता है।
- H. वह संकेतों को मौखिक रूप (verbalise) में भी प्रस्तुत कर सकता है।
- I. वह तथ्यों, सिद्धान्तों के आधार पर साधारण निष्कर्ष भी निकाल सकता है।

### उद्देश्य 2 : अवबोध (Understanding)

विद्यार्थी को इस योग्य बनाना कि वह वैज्ञानिक तथ्यों, पदों, सम्बन्धों, प्रत्यय, सूत्रों, प्रविधियों, संकल्पनाओं एवं सिद्धान्तों आदि को समझ सके।

#### व्यवहार (Behaviours or Specifications) :

- विद्यार्थी उदाहरण देता है।
- विद्यार्थी त्रुटियों का पता लगा लेता है।
- विद्यार्थी सम्बन्धों का पता लगा लेता है।
- विद्यार्थी वैज्ञानिक संकल्पनाओं, नियमों आदि की तुलना कर लेता है।
- विद्यार्थी वर्गीकरण कर लेता है।
- विद्यार्थी परिणामों की जांच कर लेता है।

### उद्देश्य 3 : अनुप्रयोग (Application)

छात्र को इस योग्य बनाना कि वह प्राप्य वैज्ञानिक ज्ञान का प्रयोग अपनी दैनिक जीवन सम्बन्धी नवीन परिस्थितियों में कर सके।

#### व्यवहार (Behaviours or Specifications) :

- वह ज्ञात एवं अज्ञात का पता लगा सकता है तथा दोनों में सम्बन्ध स्थापित कर सकता है।
- वह आँकड़ों की उपयुक्तता को समझ सकता है।
- वह आँकड़ों (data) के सम्बन्ध को समझ लेता है।
- समस्या को हल करने के लिये वह तथ्यों, प्रविधियों, प्रत्ययों एवं सिद्धान्तों आदि की पहचान कर सकता है।
- वह उत्तर का अनुमान लगा सकता है।
- वह उचित विधि व सिद्धान्त का चयन करता है।
- वह समस्या का हल ठीक प्रकार से करता है।
- वह अपने उत्तर की जाँच कर सकता है।